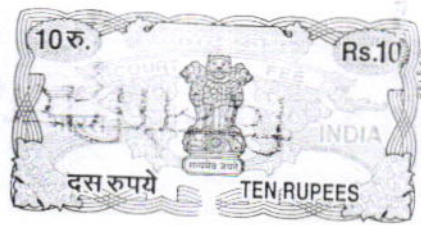


9



न्यायालय श्रामान राजस्व मंडल ग्यालियर मोगु

मोगु - 2144 - I - 16

मार्च 2016

नगरानी कर्ता

मोगु

21/7/16

मोगु

राजस्व मंडल म.प्र. ग्यालियर

करा मोगुमाल पिता जगन्नाथ पटैरिया आशु करीब 80 वर्ष

निवासी ग्राम हिलगुमा तहो व जिला छतरपुर मोगु

-- नगरानी कर्ता

वनाम

1. जगदीश प्रताप तनय दत्त राव म.प्र. हिलगुमा तहो व जिला छतरपुर मोगु

2. मोगु शासन

-- अनावेदकगण

नगरानी ~~मोगु~~ अंतगत धारा-50 मोगु मोगु

किरूद कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल ईशानगर के प्रकरण क्रमांक -58/अ-12/2015-16 में किये गये आदेश दिनांक - 10/05/16 से परिचेदित होकर ।

SK Shrivastava  
Ad.  
21/7/16

महोदय ,

नगरानी कर्ता वृद्ध कशतकार पेशा ब्यक्ति है व अनावेदक क्रमांक - 1 मोगु शासन में थाना प्रभारी के पद पर जिला टीकमगढ़ एवं अन्य जगह पदस्थ रहा है व अपने पद एवं पैसे के प्रभाव का प्रयोग कर नगरानी कर्ता की भूमि छपना चाहता है । इतने हेतु उतने अधीनस्थ राजस्व कर्धारियों से मिलकर आवेदक की उपजाऊ भूमि को आलोच्य आदेश दिनांक-10/05/16 जो कि प्रकरण क्रमांक -58/अ-12/2015-16 में माननीय राजस्व निरीक्षक मंडल ईशानगर द्वारा पारित किया गया है । मैं नमसना बताता है जबकि वास्तविकता में भूके पर कोई नाप नहीं हुई न ही वंदोचस्ती चिन्हों को दर्शाया गया न ही नगरानी कर्ता को नोटित किया गया न ही अन्य मिडोही कशतकारों को नोटित किया गया व किसी अन्य तारीख का नोटित देकर कुछ ~~मोगु~~ गाँव के ब्यक्तियों से फर्जा दखत कराकर दस्तावेज तैयार करा कि व धर बैठकर तारी कार्यवाही औप रूप से की गई जो कतई स्थिर रखे जाये योग्य नहीं है । जितने दुखी होकर ~~मोगु~~ नगरानी कर्ता निम्न लिखित तबल आधारों पर यह नगरानी प्रस्तुत करता है :-

1. यहाँकि उक्त नगरानी तम्भावधि में एवं श्रीमान के क्षेत्र

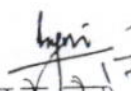
न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

2

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-2144-एक/2016

रामकृपाल विरूद्ध जगदीश आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
17-12-2018	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. प्रकरण प्रस्तुत ।</li> <li>2. आवेदक अभिभाषक की मृत्यु हो चुकी है । अनावेदक जगदीश की ओर से अभिभाषक श्री के.के. द्विवेदी उपस्थित ।</li> <li>3. प्रस्तुत निगरानी राजस्व निरीक्षक मण्डल ईशानगर के सीमांकन आदेश दिनांक 10-05-2016 के विरूद्ध प्रस्तुत की गई थी ।</li> <li>4. म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 में किये गये संशोधनवर्ष 2018 के अनुसार सीमांकन आदेश के विरूद्ध आपत्ति सुनवाई के अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये हैं ।</li> <li>5. अतः प्रकरण सक्षम न्यायालय में सुनवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाता है । उभय पक्ष दिनांक 18-03-2019 को अनुविभागीय अधिकारी के यहां उपस्थित हो । अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख भेजा जाये ।</li> </ol>	<p style="text-align: right;">                       (आर.के. जैन)                      सदस्य                 </p> <p style="text-align: right;">17.12.18</p>